झारखंड में भीषण गर्मी

चर्चा में क्यों?

पूर्वी सिंहभूम ज़िले के बहरागोड़ा में अधिकतम तापमान **47.1 डिग्री सेल्सियस** दर्ज होने के साथ झारखंड के कुछ हिस्सों में भीषण लू चल रही है।

मुख्य बिंदु:

- मौसम विभाग ने **झारखंड** के **11 ज़िलों में भीषण गर्मी** के लिये **'ऑरेंज अलर्ट'** जारी किया है।
  - ये हैं- साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, जामताड़ा, देवघर, धनबाद, बोकारो, सरायकेला-खरसावाँ, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम।
- **राँची मौसम विज्ञान केंद्र** के मुताबिक, तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुँचने का एक कारण खनन गतिविधियाँ और प्रदूषण भी हो सकता है।

हीटवेव/लू (Heat Waves)

- **परिचय:**
  - हीटवेव अत्यधिक **गर्म मौसम की दीर्घावधि** है जो **मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव** डालती है।
  - भारत, एक उष्णकटिबंधीय देश होने के नाते, विशेष रूप से लू के प्रति **संवेदनशील** है, जो हाल के वर्षों में नियमित और तीव्र हो गया है।
- **भारत में लू की घोषणा के लिये IMD मानदंड:**
  - जब तक किसी क्षेत्र का अधिकतम तापमान **मैदानी क्षेत्रों के लिये कम-से-कम 40 डिग्री सेल्सियस** और **पहाड़ी क्षेत्रों के लिये कम-से-कम 30 डिग्री सेल्सियस** तक नहीं पहुँच जाता, तब तक हीटवेव/लू पर विचार करने की आवश्यकता नहीं है।
  - यदि किसी स्टेशन का **सामान्य अधिकतम तापमान 40°C से कम** या उसके बराबर है, तो **सामान्य तापमान से 5°C से 6°C की वृद्धि को हीटवेव की स्थिति** माना जाता है।
    - इसके अलावा, **सामान्य तापमान से 7 डिग्री सेल्सियस** या **उससे अधिक की वृद्धि को गंभीर हीटवेव** की स्थिति माना जाता है।
  - यदि किसी स्टेशन का सामान्य अधिकतम तापमान 40°C से अधिक है, तो **सामान्य तापमान से 4°C से 5°C की वृद्धि** को **हीट वेव** की स्थिति माना जाता है। इसके अलावा, **6°C या इससे अधिक की वृद्धि को गंभीर हीटवेव** की स्थिति माना जाता है।
    - इसके अतिरिक्त, यदि सामान्य अधिकतम तापमान के बावजूद **वास्तविक अधिकतम तापमान 45°C या अधिक** रहता है, तो **हीटवेव/लू घोषित** की जाती है।

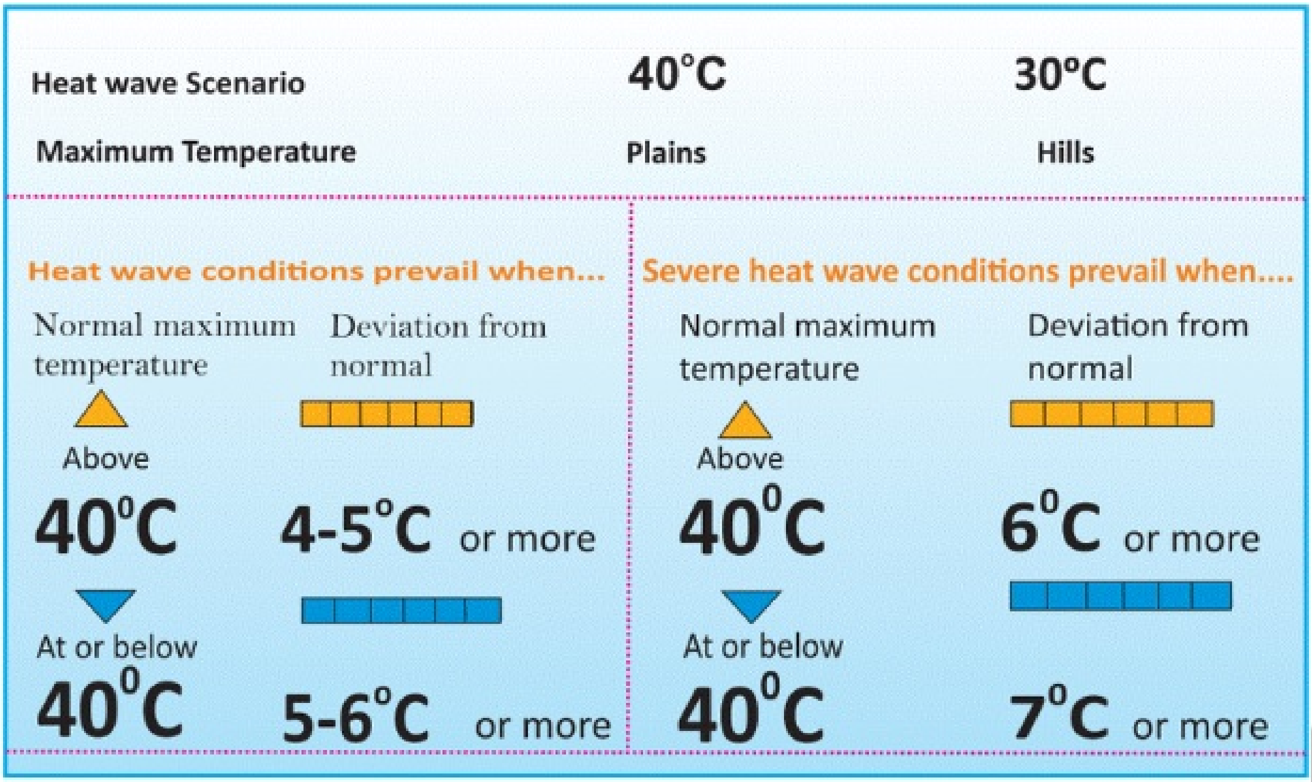

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/severe-heatwave-hits-jharkhand